shrI mahAshAstRi dashakaM

श्रीमहाशास्तृ दशकम्

Document Information

Text title : shaastridashakam

File name : shaastridashakam.itx

Category : deities_misc, stotra, dashaka

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Proofread by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Latest update : April 23, 2008

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 16, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीमहाशास्तृ दशकम्

पाण्ड्यभूपतीन्द्र पूर्व पुण्यमोहनाकृते
पण्डितार्चिताङ्घ्रि पुण्डरीक पावनाकृते
पूर्णचन्द्रतुण्ड वेत्रदण्डवीर्यवारिधे
पूर्णपुष्कलासमेत भूतनाथ पाहि माम् ॥ १

आदिशङ्कराच्युत प्रियात्मसंभवप्रभो
आदिभूतनाथ साधु भक्तचिन्तितप्रद
भूतिभूष वेदघोष पारितोष शाश्वत
पूर्णपुष्कलासमेत भूतनाथ पाहि माम् ॥ २

पञ्चबाणकोटि कोमळाकृते कृपानिधे
पञ्चगव्यपायसान्न पानकादिमोदित
पञ्चभूत सञ्चयप्रपञ्चभूतपालक
पूर्णपुष्कलासमेत भूतनाथ पाहि माम् ॥ ३

चन्द्रसूर्य वीतिहोत्र नेत्र वक्त्रमोहन
सान्द्रसुन्दर स्मितार्द्र केसरिन्द्रवाहन
इन्द्रवन्दनीयपाद साधुवृन्दजीवन
पूर्णपुष्कलासमेत भूतनाथ पाहि माम् ॥ ४

अत्युदारभक्त चित्तरङ्ग नर्तन प्रभो
नित्यशुद्ध निर्मलाद्वितीयधर्मपालक
सत्यरूप मुक्तिरूप सर्वदेवतात्मक
पूर्णपुष्कलासमेत भूतनाथ पाहि माम् ॥ ५

वीरबाहु वर्णनीय वीर्यशौर्यवारिधे
वारिजासनादि देववन्द्य सुन्दराकृते
वारणेन्द्र वाजिसिम्हवाह भक्तशेवधे
पूर्णपुष्कलासमेत भूतनाथ पाहि माम् ॥ ६

सामगानलोल शान्तशील धर्म पालक
सोमसुन्दरास्य साधुपूजनीय पादुक
सामदानभेददण्ड शास्त्रनीति बोधक
पूर्णपुष्कलासमेत भूतनाथ पाहि माम् ॥ ७

सुप्रसन्न देवदेव सत्गति प्रदायक
चित्प्रकाशधर्मपाल सर्वभूतनायक
सुप्रसिद्ध पञ्चशैल सन्निकेतन नर्तक
पूर्णपुष्कलासमेत भूतनाथ पाहि माम् ॥ ८

शूल-चाप-बाण-खड्ग-वज्र-शक्तिशोभित
बालसूर्यकोटि भासुराङ्ग भूतसेवित
कालचक्र सम्प्रवृत्त कल्पनासमन्वित
पूर्णपुष्कलासमेत भूतनाथ पाहि माम् ॥ ९

अद्भुतात्म बोधसत्सनातनोपादशक
बुद्बुदोपम प्रपञ्च विभ्रम प्रकाशक
सप्रथ प्रगत्भचित् प्रकाशदिव्यदेशिक
पूर्णपुष्कलासमेत भूतनाथ पाहि माम् ॥ १०

इति श्री महा शास्तृ दशकं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Antaratma antaratma at Safe-mail.net

shrI mahAshAstRi dashakaM
pdf was typeset on September 16, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*